अंक योजना

प्रथम सत्रांत परीक्षा 2025 - 2026

विषय – हिंदी (आधार)

विषय कूट – (302)

कक्षा – बारहवीं

निर्धारित अवधि : 3 घंटे **पूर्णांक : 80 अंक**

सामान्य निर्देश :-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्याँकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |
- वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्याँकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाय |
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं | ये मात्र सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं |
- यदि परीक्षार्थी सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न , किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ |
- मूल्याँकन कार्य अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए |

प्रश्न संख्या	**खंड – क (अपठित बोध)**	**अंक(18)**
1.	**गद्यांश पर आधारित प्रश्न**	**(10)**
(1)	(ग) – (क)और (ख) दोनों	(1)
(2)	(घ) – केवल (I) और (III)	(1)
(3)	(क) - कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) , कथन (A) की सही व्याख्या करता है	(1)
(4)	वर्तमान युग में गाँधी जी की विचारधारा और उनकी प्रासंगिकता	(1)
(5)	विश्व धार्मिक कट्टरता , आण्विक आंतकवाद और सिद्धान्त्विहीं राजनीति से ग्रस्त , केवल गाँधी की अहिंसक और सर्वधर्म सार्वभौमिकता ही एक मात्र उपाय	(2)
(6)	आज पूरे विश्व में गाँधी जी की नीतियों के प्रति सकारात्मकता , निशस्त्र वीरता को हथियार के रूप में स्वीकार्यता	(2)
(7)	विश्व में प्रचलित सभी धर्मों के प्रति समानता व आदर का भाव प्रदर्शित करना	(2)
प्रश्न 2	पद्यांश पर आधारित प्रश्न	(8)
(1)	(ख) - पूर्व जन्म के पापों को	(1)
(2)	(घ) - (i) और (iii)	(1)
(3)	(ग) – (i) 2 (ii) 3 (iii) 1	(1)
(4)	विरोधाभास , मानवीकरण , अनुप्रास (कोई दो पर्याप्त)	(1)
(5)	अपहृत सीता की स्थिति बहुत दयनीय थी , सुख अब स्वप्न मात्र रह गए थे	(2)
(6)	बहुत दुर्बल , निस्तेज , उदास , श्रे राम की याद् में निमग्न , निरंतर अश्रु बहाने वाली	(2)
	खंड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक – 22 अंक)	
प्रश्न 3	**दिए गए अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख -**	1x6=6
	आरम्भ -- 01अंक विषय वस्तु -- 03 अंक (सारगर्भित , विषयानुकूल , तर्कसंगत) प्रस्तुति -- 01 अंक (लेखन शैली, लिखाई / शब्द बनावट)	6

	भाषा -- 01 अंक (वाक्य –विन्यास , शुद्धता , वर्तनी)	
प्रश्न 4	**किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में ----**	2x4 =8
(1)	1 – मुद्रण माध्यम (छापेखाने पर आधारित /प्रकशित जैसे : समाचारपत्र , पत्रिकाएँ. विज्ञापन 2 – यांत्रिक माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक जैसे : रेडियो , टेलीविज़न ,सिनेमा , इन्टरनेट से संचालित उपकरण मोबाइल द्वारा प्रसारित सोशल मीडिया , ट्विटर आदि)	2
(2)	एक प्रकार की खोजी पत्रकारिता जिसका उद्देश्य सरकार ,व्यवसाय या अन्य सार्वजानिक संस्थाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार एवम् अनियमितताओं पर कड़ी नजर रखना और उन्हें उजागर करना है		2
(3)	अनपढ़ एवम् अशिक्षित के लिए समाचारपत्र निरर्थक हैं क्योंकि वे उसका उपयोग करने में असमर्थ होते है , वे उसमें प्रकाशित सूचना तथा जानकारी पढ़ नहीं सकते		2
(4)	संपादक का प्रमुख कार्य संपादन करना होता है	इसके अंतर्गत - संवाददाताओं से सूचनाएँ एकत्र करना , उनका चयन करना , अशुद्धियों को दूर करना , छपने का स्थान निर्धारित करना , शब्दों का स्वरूप तय करना , समय पर प्रकाशन तथा पाठकों तक पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करना आदि कार्य शामिल हैं		2
(5)	कहानी पढ़ने एवम् सुनने की विधा है जबकि नाटक रंगमंचीय विधा है	कहानी में पाठक तथा श्रोता होते है जबकि नाटक में दर्शक होते है	कहानी की अपेक्षा नाटक में अधिक साज सज्जा एवम् उपकरणों की आवश्यकता होती है		2
प्रश्न 5	**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए-**	**4x2=8**
(1)	किसी व्यक्ति या संस्था के गैर – कानूनी अथवा संदेहास्पद या विवादास्पद गतिविधि में शामिल होने का पर्दाफाश करने के लिए गुप्त रूप से सबूत जुटाने के लिए जिस प्रक्रिया को अपनाया जाता है , उसे ही **स्टिंग ऑपरेशन** कहा जाता है | इसके लिए सूक्ष्म यंत्रों का प्रयोग किया जाता है	पिछले कुछ वर्षों से आपराधिक गतिविधिओं को उज़ागर करने के लिए , सूक्ष्म कैमरों , ऑडियो तथा वीडियो रिकॉर्डिंग आदि मीडिया अथवा पत्रकारों द्वारा प्रयोग किया जाता रहा है	इसके माध्यम से सरकार की गतिविधियों पर अथवा किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के व्यक्तिगत जीवन पर भी नज़र रखी जाती है	विश्व के कई देशों में मीडिया द्वारा इसका प्रयोग आम रूप से किया जा रहा है	इसका मुख्य उद्देश्य अपराध या अन्य सामाजिक बुराइयों का पर्दाफाश करना ही था परन्तु आज इसका प्रयोग राजनीति , कूटनीति या सैन्य कार्यवाही में भी किया जा रहा है | **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्यसम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	(2+2=4)
(2)	● समाचार लेखन के लिए जिस विशिष्ट शैली का प्रयोग किया जाता है उसे उलटा पिरामिड शैली कहा जाता है ● समाचार लेखन के समय जिन छह सवालों का ज़वाब देने का प्रयास किया जाता है उन्हें पत्रकारिता में ककार कहा जाता है – क्या , कब ,कौन , कहाँ ,क्यों और कैसे	 ● इसके लिए उल्टा पिरामिड शैली का प्रयोग किया जाता है जिसे तीन भागों में बाँटा जाता है	 ● प्रथम भाग को इंट्रो कहते हैं जिसमे चार ककार को शामिल किया जाता है	इसमें दी गयी जानकारी सूचनात्मक और तथ्यात्मक होती है ● द्वितीय भाग - बॉडी में- अंतिम दो ककारों का प्रयोग किया जाता है	 यह विवरणात्मक , व्याख्यात्मक और विश्लेषणात्मक पहलुओं पर केन्द्रित होती है	 ● उल्टा पिरामिड शैली का अंतिम भाग समापन कहलाता है	 **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्यसम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	(4)
(3)	प्रमुख सोपान है :-	

	1 ब्रेकिंग न्यूज़ –किसी घटना का सबसे पहले कम से कम शब्दों में सूचना के रूप में प्रसारण | 2. ड्राई एंकर – प्रस्तोता द्वारा घटना से सम्बंधित जानकारी का संक्षिप्त विवरण | 3. फोन इन – प्रस्तोता द्वारा घटनास्थल से संवाददाता द्वारा फोने पर जानकारी सुनवाना | 4. एंकर विजुअल – घटना से सम्बंधित तस्वीरों का प्रसारण | 5. एंकर बाइट- घटनास्थल पर उपस्थित प्रत्यक्ष दर्शियों से घटना की जानकारी का विवरण प्रस्तुत करना | 6. लाइव – घटनास्थल से सीधा प्रसारण | 7. एंकर पैकेज – घटना का समग्र रूप से वर्णन बताना |	(2+2=4)
	<u>खंड – ग</u> (आरोह भाग– 2 और वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तक के आधार पर)	40अंक
प्रश्न 6	**काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर -**	1x5=5
(1)	(क) नीले शंख से	1
(2)	(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |	1
(3)	(घ) सुबह के सूरज से	1
(4)	(ख) काली सिल के	1
(5)	(ख) लाल खड़िया से	1
7	**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में**	**(3x2=6)**
(1)	● भाषा के दुरूह होने से अस्पष्टता ● क्लिष्ट भाषा समझ से बाहर ● सटीक शब्दों के अभाव में बात का अर्थ हीन होना ● भावनाओं व शब्दों में तारतम्यता न हो पाना ● गलत व अनुपयुक्त शब्दों के प्रयोग से बात प्रभावहीन होना ● अभिव्यक्ति में कठिनता **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	3
(2)	● कपास की कोमलता , निर्मलता से बच्चों का सम्बन्ध ● बच्चों की प्रकृति निर्मल , निश्छल एवम कोमल ● निष्कपटता , नरमता व महत्त्वाकांक्षी ● कपास में हलके दवाब से ऊपर उठने की क्षमता ● बच्चों में थोड़ी प्रेरणा से ऊंचे सपने देखने , उन्हें पाने की आकांक्षा ● भविष्य से बेपरवाह व खतरों के प्रति लगाव **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	3

(3)	ससार बने बनाई लीक पर चलने वाला , धन व ऐश्वर्य के पीछे भागने वाला , प्रेम का विरोधी तथा संवेदनशून्य है और कवि प्रेम को सर्वोपरि मानने वाला , अपने दिल की आवाज सुनने वाला तथा धन और वैभव से दूर रहने वाला तथा संवेदनशील हृदय का स्वामी है | **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	3
प्रश्न 8	**दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में**	**(2*2=4)**
(1)	● श्री राम के भाई एवम् अयोध्या के संरक्षक भरत की ● भरत की वीरता , शील स्वभाव , प्रभु राम के प्रति असीम स्नेह एवम् श्रद्धा	**1+1**
(2)	प्रस्तोता द्वारा पूछे गए प्रश्न बेतुके , अटपटे तथा हृदय हीनता से ओतप्रोत व गैरज़रूरी थे | अपाहिज अपनी विवशता और आक्रोश के कारण उनका ज़वाब देने में स्वयं को असमर्थ पता है |	**1+1**
(3)	बच्चों के खेल अपने पराय से मुक्त , समानता, उत्साह , प्रसन्नता , रचनात्मकता , तल्लीनता व असीम ख़ुशी प्रदान करने वाला और कभी समाप्त न होने वाला होता है , उनके खेल के साधन असीमित और अप्रत्याशित होते हैं उसी प्रकार कविता भी स्थान , समय ,काल और भौगोलिक स्थितियों से अप्रभावित और बेशुमार विषयों से सुसज्जित हो कर पाठक को ख़ुशी प्रदान करने वाली होती है|	**1+1**
प्रश्न 9	**प्रश्नों के सही विकल्प –**	**(1x5=5)**
(1)	(क) लेखन में महादेवी की सहायता न कर पाने को	
(2)	(ग) अ - 2 , ब - 3, स - 1	
(3)	(ग) बिजली के बल्ब के	
(4)	(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |	
(5)	(ग) (अ) और (ब)	
प्रश्न 10	**किन्ही <u>दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 60 शब्दों में**	**(3x2=6)**
(1)	पंद्रह वर्षों तक लुट्टन अपने पुत्रों के साथ शाही महल में रह कर अपने पुत्रों को भावी शाही पहलवान बनने की तैयारी करवा रहा था | वह अपने पुत्रों को नियम से पहवानी का अभ्यास करवाता , व्यवहारिक शिक्षा देता , राजा के प्रति समर्पित रहने का ज्ञान देता |परन्तु राजा की मृत्यु के पश्चात् विलायत से आकर राजकुमार ने जब सत्ता संभाली तो उसने पहलवानों पर किये जा रहे खर्चे को बेफिजूल माना और उसे महल से निकाल दिया | लुट्टन के सारे सपने और योजना मिट्टी में मिल गयी |	**2+1=3**
(2)	● सरकार द्वारा अनेक सहकारी योजनाओं के बावजूद भी स्थिति में परिवर्तन न होना ● वर्तमान में सरकार एवम जनता दोनों का नैतिक पतन होना ● कर्तव्य के स्थान पर अधिकारों की बात करना ● त्याग , परमार्थ , सेवा जैसी भावनाओं का लोप होने से भ्रष्टाचार , बेईमानी आदि कुरीतियों का बढना	**2+1=3**

	● देश के प्रति उत्तरदायित्व का आभाव ● देश में चोरी , रिश्वतखोरी , हेराफेरी , देश के संसाधनों का दुरूपयोग जैसी घटनाएँ आम हो जाना | **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	
(3)	● बाज़ार की ऊपरी चमक – दमक और दिखावे की प्रवृति , माल को बेचने के लिए और अधिक लाभ कमाने के लिए चीज़ों को आकर्षक बना कर ग्राहक को लुभाने या ठगने की प्रवृति ● केवल आवश्यकता पड़ने पर बाज़ार जाने एवम् जरूरत का सामान खरीदने वाले तथा गुणवत्ता से समझौता न करने वाले लोग ● जो बाजार अपने ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार उच्च गुणवत्ता की वस्तुओं की माँग को पूरा करे और बजारूपन से दूर रहे | **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	**1+1+1 =3**
प्रश्न 11	**दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में-**	(2*2=4)
(1)	● जिस दान में त्याग व कल्याण की भावना हो ● जिस वस्तु की हमें भी बहुत ज़रूरत हो फिर भी हम अपनी ज़रूरत को छोड़ कर उसे दूसरे ज़रूरतमंद को दे दें ● जैसे पानी की कमी के बावजूद भी इन्द्रसेना पर जीजी द्वारा पानी फेंकना ताकि वर्षा से सबका कल्याण हो | ● **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	2
(2)	● ढोल को ● शामनगर के दंगल में जब चाँद सिंह के साथ कुश्ती में जनसमुदाय के उसके विपक्ष में होने के बावजूद भी केवल ढोलक की थाप सुनकर उसने दाँव खेल कर कुश्ती जीत ली थी और वह शाही पहलवान बन गया था | उसने ढोल को ही अपनी जीत का आधार माना था और उसी को प्रणाम किया था | **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	1+1=2
(3)	● जिस प्रकार एक अवधूत सभी परिस्थितियों में बिना विचलित हुए संभव रखता है , शिरीष का वृक्ष भी भीषण गर्मी में बिना मुरझाये सुंदर फूलों को धारण कर जीवित रहता है | ● **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	2
प्रश्न 12	**<u>किन्ही दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में –**	5+5=10

(1)	● सिन्धु घाटी सभ्यता में जल के संरक्षण की अनुपम व्यवस्था ● सिन्धु नदी के उफान से नगर को बचाने के लिए ऊंचे टीलों पर नगर नियोजन ● पूरे नगर में साफ़ और पीने के पानी के संरक्षण , गंदे पानी की निकासी की नियोजित व्यवस्था , उत्तम जल प्रबंधन ● पक्की ईंटों से निर्मित व ढकी नालियों की व्यवथा ● महाकुंड की अद्वितीय निर्माण कला ● निर्माण में गारे , चूने व चिरोड़ी का प्रयोग ● स्वच्छ पानी के भरने और दूषित पानी के निकासी की अद्भुत संयोजना ● साफ और दूषित जल के मिश्रण को रोकने का शानदार तरीका ● कुओं की भरमार ● नगर नियोजन में घरों के अंदर स्नानागार व रसोई से पानी की निकासी का प्रबंधन ● कृषि सिंचाई हेतु पर्याप्त जल का प्रबंधन | **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	1+4=5
(2)	मुख्य पात्र स्वयं लेखक – आनंद यादव ● दूरदर्शी तथा लक्ष्य के प्रति समर्पित ● कठोर परिश्रमी एवम् लगनशील ● बुद्धिमान और मेधावी ● शिक्षा के प्रति आदर भाव ● हार न मानने का जज्बा **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य, प्रत्येक का वर्णन उदाहरण सहित हो)**	1+4=5
(3)	● यशोधर का जीवन किशनदा से प्रभावित ● शहर आने के बाद से किशन दा के ही संपर्क में रहना ● प्रेरणा स्त्रोत व मार्गदर्शक ● बचपन से जब से यशोधर शहर आये थे तब से उनके सानिध्य में ● किशनदा के अनुभवों , उनके आदर्शों एवम् व्यक्तित्व का यशोधर बाबू पर प्रभाव ● उनका व्यक्तित्व किशनदा के अनुसार ढलना ● नौकरी में सहायता ● यशोधर उनकी प्रतिच्छाया ● उनकी जीवनशैली पर किशनदा का असर ● किशनदा ही उनके आत्मविश्वास , शक्ति एवम् ऊर्जा का स्त्रोत	1+4=5

	● वह उनकी सामर्थ्य थे न कि कमज़ोरी ● किशन दा की सादगी और जीवन शैली से प्रभावित **(उपरोक्त बिंदु सांकेतिक , अन्य सम्बंधित बिंदु भी विचारणीय व स्वीकार्य)**	